NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2018

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours 80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages. Please check that your paper is complete.

2. Read the instruction to each question carefully.

3. Answer all sections.

4. All answers must be written in the Hindi script.

5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.

IEB Copyright © 2018

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

चाणक्य का परिचय

चाणक्य राजा चन्द्रगुप्त मौर्य के समय उनके मंत्रीमंडल में महामंत्री थे. चाणक्य का जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था इनकी शिक्षा महान शिक्षा केंद्र " तक्षशिला " में हुई. 14 सालो तक चाणक्य ने अध्ययन किया और 26 वर्ष की आयु में इन्होंने अर्थशात्र, समाजशात्र, और राजनीति विषयो में गहरी शिक्षा प्राप्त की. एक बार की बात है जब मगध वंश के दरबार में इनका अपमान किया गया तब से इन्होंने नन्द वंश को मिटाने की प्रतिज्ञा ली और बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य के राजगद्दी में बिठाने के बाद इन्होंने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और नन्द वंश का नाश कर दिया.

उन्होंने वहां मौर्य वंश को स्थापित कर दिया. उस समय नन्द वंशो ने गरीबो की दशा खराब कर रखी थी तब प्रजा की रक्षा की और अपना कर्तव्य का पालन किया. उन्होंने नन्द वंशो को भारत से बाहर किया और एक राजा चन्द्रगुप्त मौर्य को एक अखंड राष्ट्र बनाने में मदद की. मौर्य वंश को बनाने में चाणक्य को श्रेय जाता हैं. चाणक्य कूटनीति को अहम मानते थे. इसलिये इन्हे कुटनीति का जनक भी माना जाता है. इस लिये राजा चन्द्रगुप्त मौर्य ने इन्हे महामंत्री का दर्जा दिया.

चाणक्य का जीवन – चरित्र चाणक्य के विषय में इतिहास में ज्यादा प्रमाण नहीं मिलाता है., कुछ विद्वान इनके नाम के पीछे भी अपनी राय रखते है क्योंकि इनका नाम कौटिल्य भी था. कुछ लोग मानते है कुटल गोत्र होने के कारण इनका नाम कौटिल्य पड़ा. भारत में आज भी चाणक्य को चाणक्य और कौटिल्य आदि नामो से ही जाना जाता है. इस सम्बन्ध में महान विद्वान राधाकांत जी ने अपनी रचना में कहा हैं"' अस्तु कौटिल्य इति वा कौटिल्य इति या चनाक्यस्य गोत्रनाम्ध्यम ". कुछ लोग ने सीधी राय रखी है चणक का पुत्र होने के कारण इन्हे चाणक्य कहा जाता हैं.

कुछ विद्वान मानते है कि इनके पिता ने इनका नाम बचपन में विष्णु गुप्त रखा था जो बाद में चाणक्य और कौटिल्य कहलाये. कौटिल्य के संदर्भ से यह माना जाता है की इन्होंने चन्द्रगुप्त मौर्य की सहायता के लिये चाणक्य ने नन्द वंश का नाश कर दिया था. मौर्य वंश की स्थापना की और चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया.

IEB Copyright © 2018

चाणक्य के द्वारा कुछ लिखी कृतियाँ और रचनायें

यहाँ भी विद्वानों ने अपनी-अपनी राय रखी हैं. कौटिल्य ने अपने जीवन – काल में कितनी कृतियाँ और रचनायें लिखी यह आज तक स्पष्ट नहीं हो पाया. चाणक्य की मुख्य रचनायें जैसे – अर्थशास्त्र, समाजशात्र और राजनीति ये साफ़-साफ मिलती है. चाणक्य के शिष्य कमंदक ने एक शात्र लिखा " नीतिसार " नामक ग्रन्थ की रचना की.

इस ग्रन्थ में यह उल्लेख मिलता है की चाणक्य ने नीतिसार को अपने बुद्दी और दिमाग से नीतिसार को नीतिशास्त्र में बदल दिया था. चाणक्य को धातु – कौटिल्य और राजनीति नामक रचनाओं के साथ जोड़ा गया हैं. कौटिल्य के द्वारा लिखित ग्रन्थ अर्थशास्त्र को अर्थशास्त्र ग्रन्थ के रूप में भी जाना जाता हैं.

चाणक्य की राज्य की नीति में आचार्य चाणक्य ने कहा हैं कि "' राजा और प्रजा के मध्य पिता और पुत्र जैसा सम्बन्ध होना चाहिए "". कौटल्य के राज्य की नीति में यह कहा गया है. राज्य की उत्पत्ति तब हुई जब " मत्स्य न्याय " के कानून से तंग आकर लोगो ने मनु को अपना राजा चुना और खेती का 6वा भाग और सोने (आभूषण) का 10वा भाग राजा को देने को कहा. राजा इसके बदले में प्रजा की रक्षा तथा समाज कल्याण का उतरदायित्व संभालता था

[Source: <nayi chetna.com>]

१.१ चाणक्य की शिक्षा कहॉ हुई ? (२)

१.२ उनहो ने किस विषय में गहरी शिक्षा प्राप्त किया ।? (२)

१.३ चाणक्य क्यों और क्या प्रतिज्ञा लिए ? (४)

१.४ इन वाक्य को अपने शब्दों में समझाइए ः

१.४.१ कर्तव्य को पालन किया । (२)

१.४.२ महामंत्री का दर्जा । (२)

१.४.३ श्रेय जाता है । (२)

१.५ चानक्य ने कहा " राजा और प्रजा के मध्य पिता और पुत्र जैसा सम्बन्ध होना चाहिए " अपने शब्दों में समझाइए । (४)

१.६ लोगों मत्स्य न्याय से तंग क्यों हुई ? (४)

१.७ समानार्थी शब्द लिखिए ।

१.७.१ साल

१.७.२ अध्ययन

१.७.३ पिता

१.७.४ शिक्षा (४)

१.८ विलोल शब्द लिखिए।

१.८.१ जन्म
१.८.२ नाश
१.८.३ स्पष्ट
१.८.४ पुत्र (४)

[३०]

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

मन के हारे हार है

मन, मन ही तो है जो जहां आ गया बस, आ ही गया। मन शरीर का सबसे अधिक चंचल, जागरूक और चेतन अंग है। इस हाथ-पैर, कान-नाम आदि जड़ चेतन सभी निष्ठावन व्यक्ति ही संतुष्ट एंव संतोष-रूपी धन का स्वामी कहा-समझा जाता है। ऐसा ही बनने-करने का हर व्यक्ति को प्रयत्न करना चाहिए। प्रयत्न से कुछ भी कर पाना कठिन या असंभव नहीं हुआ करता।

अकारण असंतुष्ट और इच्छाओं का गुलाम व्यक्ति अपने, अपने घर-परिवार के साथ-साथ समाज, देश और जाति के लिए भी अनेक प्रकार की अंत-बाह्य मुसीबतों का कारण बन जाया करता है। ऐसा व्यक्ति ही लोभ-लालच में भटककर देश-जाति के साथ गद्दारी तक कर बैठता है-वह भी चंद सिक्कों के लिए। इतिहास में इस प्रकार के कई उदाहरण मिलते हैं कि जब व्यक्ति ने असंतुष्ट हो देश-द्रोह और मानवता के साथ विश्वासघात किया। इस प्रकार के निहित स्वार्थी गद्दारों के उदाहरण आजकल प्रतिदिन मिलने लगे हैं। इसे अच्छी स्थिति नहीं कहा जा सकता। संतोष रूपी धन ही इस प्रकार

के कुकृत्यों और भटकावों से बचा सकता है। इसीलिए संतोष को मानवता का श्रंगार भी कहा गया है। हर हाल में उसे अपनाने की प्रेरणा दी गई है।

IEB Copyright © 2018

संतोषी जीव दयालु, स्वावलंबी और परोपकारी हुआ करता है। वह समय पड़ने पर देश, जाति और मानवता के हित में सभी कुछ त्याग सकता है। इसी कारण उसे मानवता का श्रंगार कहा जाता है। अत: अपनी वर्तमान परिस्थितियों से निरंतर संघर्ष करते हुए भी व्यक्ति को संतोष का दामन नहीं छोडना चाहिए। सुखी जीवन का यही अहम रहस्य है। संतोष न केवल परम धन है, उसे परम धम्र भी उपर्युक्त अच्छाइयों के कारण ही स्वीकारा जाता है। इस धन और धर्म को पाने, इसे बनाए रखने का सतत प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए।

[Source: E Virtual Guru]

[१०]

भाग ग

प्रश्न ३

निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

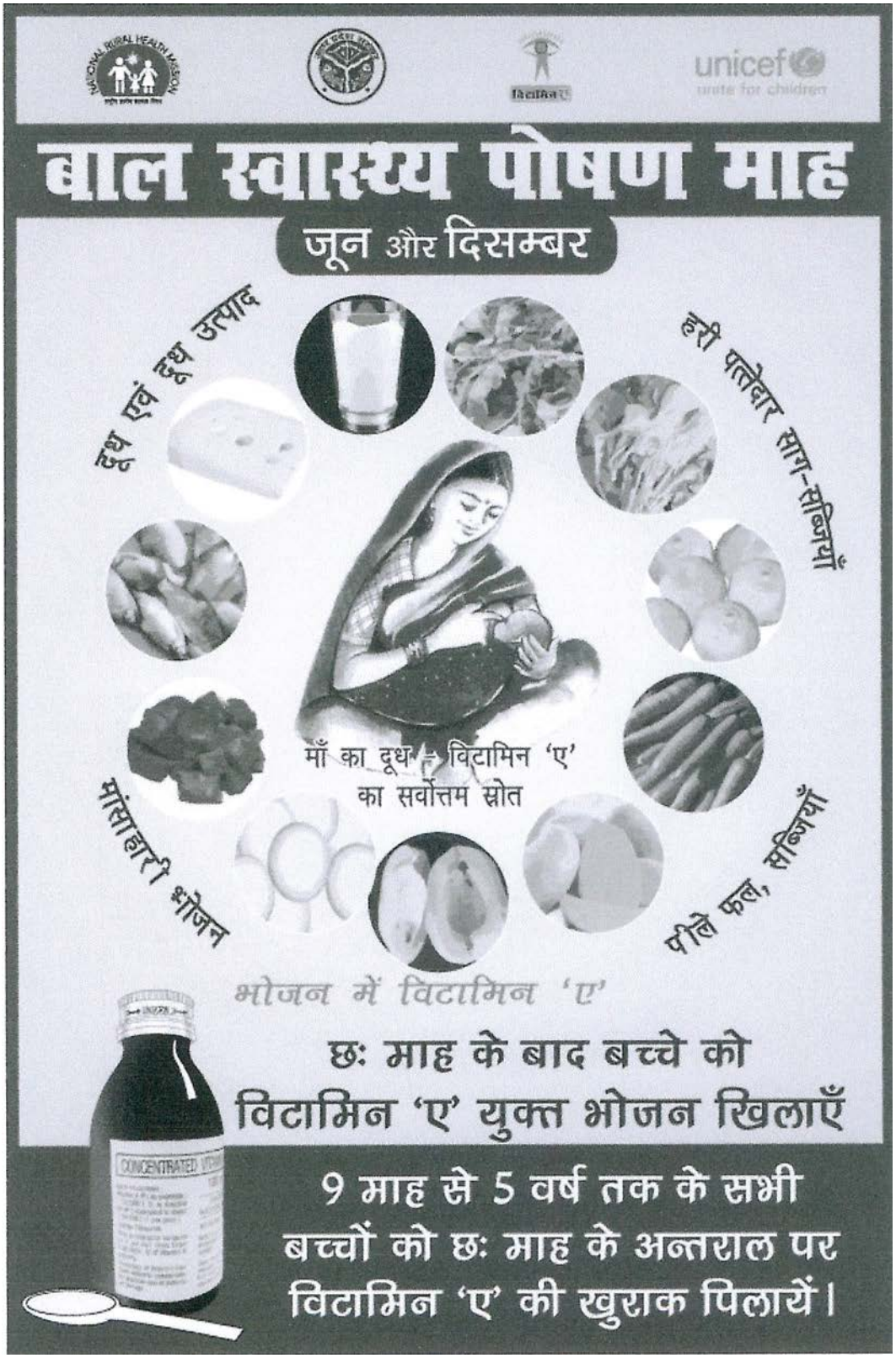

[Source: Hindi advert posters]

IEB Copyright © 2018

३.१	इस विज्ञापन में कौन सा चित्र सब से महत्वपूर्ण है ?अपने उत्तर के कारण बताइ।	(४)
३.२	इस विज्ञापन में क्या विज्ञापित किया गया है।	(४)
३.३	मॉ का दूध में क्या मिलते है।	(२)
३.४	इस वस्तु और कहॉ कहॉ मिलते है।	(४)
३.५	इस विज्ञापन में "बाल स्वास्थ्य . . ." बड़े अक्षरों में क्यों हैं।?	(६)
३.६	विज्ञापन में बच्चे को क्या और क्यों पिलाना चाहिए ?	(४)
		[२४]

प्रश्न ४

निम्नलिखित वित्र को ध्यान पूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए। १६

[Source: <http://cartooncall.blogspot.com>]

४.१	कार्टून में ये व्यक्ति कौन है ? उत्तर का कारण दीजिए।	(४)
४.२	व्यक्ति के बारे में क्या आश्चर्य की बात है ?	(४)
४.३	यह व्यक्ति प्रश्न क्यों पूछ रहा है।	(४)
४.४	लिफ्ट को क्या हुआ ?	(२)
४.५	कार्टून का क्या सन्देश है ?	(२)
		[१६]
		[८०]

Total: 80 marks

IEB Copyright © 2018